भारत सरकार
विदेश मंत्रालय
राज्य सभा
अतारांकित प्रश्न संख्या - 3283
दिनांक 21.08.2025 को उत्तर दिए जाने के लिए

ईरान के साथ भारत की कूटनीतिक भागीदारी

3283. **श्री मल्लिकार्जुन खरगे:**

क्या **विदेश** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:
(क) क्या भारत सरकार ने पिछले दो वर्षों में ईरान या अन्य हितधारकों के साथ कूटनीतिक रूप से संवाद किया है, यदि हाँ, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;
(ख) ईरान के शांतिपूर्ण परमाणु ऊर्जा के अधिकार और परमाणु हथियारों के विकास से संबंधित चिंताओं के संबंध में अंतर्राष्ट्रीय मंचों पर भारत का रुख क्या है;
(ग) क्या भारत संयुक्त व्यापक कार्य योजना (जेसीपीओए) को पुनर्जीवित करने का समर्थन करता है; और
(घ) क्या भारत सरकार ने 13 जून, 2025 के बाद क्षेत्रीय तनाव को कम करने में हस्तक्षेप किया है, यदि हाँ, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर
विदेश राज्य मंत्री
(श्री कीर्तवर्धन सिंह)

(क से घ) वर्ष 2024 और वर्ष 2025 में भारत और ईरान के बीच नियमित रूप से संपर्क बना रहा जिसमें विदेश मंत्री (जनवरी 2024); पत्तन, पोत परिवहन और जलमार्ग तथा आयुष मंत्री (मई 2024); भारत के उपराष्ट्रपति (मई 2024); और सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री (जुलाई 2024) की ईरान की यात्रा शामिल है। माननीय प्रधानमंत्री और ईरान के राष्ट्रपति ने रूस में ब्रिक्स शिखर सम्मेलन (अक्टूबर 2024) के अवसर पर भेंट की। ईरान के विदेश मंत्री ने भारत की यात्रा (मई 2025) की। ब्रिक्स संसदीय मंच (जून 2025) के अवसर पर लोकसभा अध्यक्ष और ईरानी मजलिस अध्यक्ष तथा ब्राजील में ब्रिक्स शिखर सम्मेलन (जुलाई 2025) के अवसर पर विदेश मंत्री और ईरान के विदेश मंत्री के बीच बैठकें हुईं और चीन (जुलाई 2025) में एससीओ विदेश मंत्रियों के बीच भी बैठकें हुईं।

भारत ने लगातार यह कहा है कि ईरान के परमाणु ऊर्जा के शांतिपूर्ण उपयोग के अधिकार तथा साथ ही ईरान की कानूनी और अंतर्राष्ट्रीय प्रतिबद्धताओं के अनुरूप विशेष रूप से एक शांतिपूर्ण ईरानी परमाणु कार्यक्रम में अंतर्राष्ट्रीय समुदाय की गहरी रुचि को भी मान्यता देते समय ईरान के परमाणु कार्यक्रम से संबंधित मुद्दों को बातचीत और राजनय के माध्यम से हल किया जाना चाहिए।

भारत संयुक्त व्यापक कार्य योजना और संगत संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के प्रस्तावों के पूर्ण और प्रभावी कार्यान्वयन का समर्थन करता है। हमें आशा है कि जेसीपीओए पर चल रहे राजनयिक प्रयास एक संतोषजनक समाधान तक पहुँचेंगे।

13 जून 2025 को, भारत ने अपने बयान में ईरान और इज़राइल के बीच की घटनाओं पर गहरी चिंता व्यक्त की और दोनों पक्षों से तनाव बढ़ाने वाले किसी भी कदम से बचने का आग्रह किया। भारत ने दोनों पक्षों से तनाव कम करने के लिए बातचीत और राजनय के मौजूदा माध्यमों का उपयोग करने का भी आह्वान किया तथा दोनों देशों के साथ अपने घनिष्ठ और मैत्रीपूर्ण संबंधों को देखते हुए हर संभव सहायता प्रदान करने की अपनी तत्परता व्यक्त की। माननीय प्रधानमंत्री ने 13 जून 2025 को इज़राइल के प्रधानमंत्री और 22 जून 2025 को ईरान के राष्ट्रपति के साथ टेलीफोन पर बातचीत की। विदेश मंत्री ने भी युद्ध के दौरान अपने ईरानी और इज़राइली समकक्षों के साथ टेलीफोन पर बातचीत की।

*****